खुले में शौच जाने से मुक्त होगा शहर

31 मार्च तक योजना को अंतिम रुप देने का लक्ष्य,निजी, सामूहिक, सार्वजनिक शौचालयों का होगा निर्माण

अमर उजाला ब्यूरो

फतेहपुर

स्वच्छता अभियान के तहत 31 मार्च तक शहर 'खुले में शौच जाने से मुक्त' हो जाएगा। केंद्र सरकार की मदद से नगर पालिका ने क्षेत्र में शौचालय बनाने की योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। गरीब लोगों को शौचालय बनाने के लिए नगर पालिका अग्रिम अनुदान देगी। शौचालय विहीन घरों के सर्वे का काम शुरू हो गया है।

स्वच्छता अभियान के तहत शहर को 31 मार्च 2017 तक ओडीएफ की श्रेणी में लाने लक्ष्य तय है। इसके लिए शहर में तीन तरह के शौचालयों का निर्माण होना है। इनमें ऐसे घर चिन्हित किए जा रहे हैं, जिनमें शौचालय नहीं बने हैं। ऐसे भवन स्वामियों को आठ हजार रुपये शौचालय निर्माण के लिए नगर पालिका अनुदान देगी। दूसरी श्रेणी में सामूहिक शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा। यह शौचालय चिन्हित परिवारों को निर्माण कराने के बाद आवंटित होंगे। इनका उपयोग सिर्फ वही परिवार कर सकेंगे। अन्य लोग इन शौचालयों का उपयोग नहीं कर पाएंगे। तीसरी श्रेणी के सार्वजनिक शौचालय होंगे। यह शौचालय सार्वजनिक स्थलों पर होंगे। इनका उपयोग कोई भी कर सकेगा। यह सुलभ शौचालय की तरह होंगे। नगर पालिका शौचालयों का निर्माण कराने के बाद केंद्र सरकार को सूचना देगी। केंद्रीय टीम स्थलीय सत्यापन के बाद बजट का आवंटन करेगी। केंद्रीय टीम में अगर कोई शौचालय अधूरा या फिर मानक विहीन पाया गया, तो संबंधित के खिलाफ सरकारी धन का दुरुपयोग के आरोप में एफआईआर दर्ज होगी। ईओ नगर पालिका रश्मि भारती ने बताया कि पिछले सप्ताह दिल्ली में हुई स्वच्छता अभियान की बैठक में नगर पालिका क्षेत्रों को ओडीएफ घोषित कराने के दिशा में निर्देश प्राप्त हुए हैं। नगर पालिका परिषद ने इस क्षेत्र में काम करना शुरू कर दिया है। हर हालत में फरवरी महीने तक यह काम पूरा करने की योजना है, जिससे केंद्रीय टीम के निरीक्षण के बाद 31 मार्च तक केंद्र से बजट प्राप्त किया जा सके।